भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4140

24 मार्च, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

परंपरागत औषधियों पर पहला बी2बी वैश्विक सम्मेलन और एक्सपो

4140. श्री विद्युत बरन महतो:
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:
श्री सुधीर गुप्ता:
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:
श्री प्रतापराव जाधव:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने हाल ही में वैश्विक स्तर पर परम्परागत औषधियों को बढ़ावा देने के लिए गुवाहाटी में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के अंतर्गत परम्परागत चिकित्सा पर पहले बी2बी वैश्विक सम्मेलन और एक्सपो का उद्घाटन किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त सम्मेलन में भाग लेने वाले विभिन्न एससीओ देशों के प्रतिनिधियों की कुल संख्या कितनी है;

(ग) क्या देश विश्व में परामपरागत औषधियों के केन्द्र के रूप में उभर रहा है और यदि हां, तो चालू वित्तीय वर्ष और आगामी तीन वर्षों के दौरान परम्परागत औषधियों के क्षेत्र में किए जाने वाले संभावित व्यवसाय का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का देशवासियों को स्वास्थ्य परिचर्या प्रदान करने के साथ-साथ सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए चिकित्सा की पारंपरिक पद्धतियों को बढ़ावा देने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या उक्त एक्सपो से पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में व्यापार के और अधिक अवसरों के खुलने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) और (ख): जी हां। आयुष मंत्रालय ने गुवाहाटी (असम) में 02 से 03 मार्च 2023 तक पारंपरिक चिकित्सा पर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के अधीन बी2बी सम्मेलन का अयोजन किया था। इस सम्मेलन का उद्घाटन माननीय केंद्रींय आयुष मंत्री श्री सर्बानंद सोणोवाल द्वारा किया गया था। इस समारोह में महामहिम डॉ थेट खायिंग विन, माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री, म्यांमार, डॉ मुंजपारा महेन्द्रभाई, माननीय आयुष राज्य मंत्री और महामहिम सफैया मोहम्मद सयैद, उप स्वास्थ्य मंत्री, स्वास्थ्य मंत्रालय, मालदीव ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

इस सम्मेलन में कुल 214 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें से 16 एससीओ देशों से 83 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि (म्यांमार के स्वास्थ्य मंत्री और मालदीव के उप स्वास्थ्य मंत्री सहित) थे और 131 भारतीय प्रतिनिधि थे। उक्त कार्यक्रम के दौरान कुल 30 प्रस्तुतियां दी गई, जिनमें से 19 एससीओ देशों अर्थात कजाकिस्तान, चीन, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उजबेकिस्तान, म्यांमार, मंगोलिया, बहरीन, श्रीलंका, नेपाल और मालदीव से थीं और 11 प्रस्तुतियां भारतीय पक्ष द्वारा भी दी गई जिनमें आयुष मंत्रालय के अधिकारियों द्वारा 06 और भारतीय उद्योग के प्रतिनिधियों द्वारा 05 प्रस्तुतियां शामिल थीं। उक्त सम्मेलन के दौरान कुल 11 सत्र आयोजित किए गए। बी2बी सम्मेलन के साथ-साथ गुवाहाटी में 02 से 05 मार्च 2023 तक एक बी2बी एक्सपो का भी आयोजन किया गया।

(ग) जी हाँ। देश, दुनिया में पारंपरिक दवाओं के केंद्र के रूप में उभर रहा है। मौजूदा वित्तीय वर्ष अर्थात 2022-23 (जनवरी, 2023 तक) के लिए आयुष और हर्बल उत्पादों के निर्यात का मूल्य 518.44 मिलियन अमेरिकी डॉलर है और वित्तीय वर्ष 2017-18 से वित्तीय वर्ष 2021-22 की अवधि के दौरान विभिन्न देशों को आयुष और हर्बल उत्पादों के निर्यात की 34.20 प्रतिशत की वृद्धि दर को ध्यान में रखते हुए, आने वाले वर्षों में भी इसी तरह की विकास गति जारी रहने की संभावना है (स्रोत: डीजीसीआईएस)

(घ) देशवासियों को स्वास्थ्य सेवा परिचर्या प्रदान करने के साथ-साथ सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आयुष मंत्रालय द्वारा पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने की दिशा में की गई पहल/उपलब्धियां निम्नलिखित हैं:

• **राष्ट्रीय संस्थान और अनुसंधान परिषदें**: देशवासियों को स्वास्थ्य परिचर्या सुविधाएं प्रदान करने के साथ-साथ आयुष चिकित्सा पद्धतियों की वैश्विक मान्यता के लिए आयुष मंत्रालय द्वारा 13 राष्ट्रीय संस्थानों, 05 अनुसंधान परिषदों और अनुसंधान परिषदों की 88 क्षेत्रीय इकाइयों का एक नेटवर्क स्थापित किया गया है।

• **राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम)**: आयुष मंत्रालय राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना का क्रियान्वयन कर रहा है और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आयुष चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं प्रदान करने के लिए एनएएम दिशानिर्देशो के प्रावधान के अनुसार विभिन्न गतिविधियों के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करके आयुष चिकित्सा पद्धतियों के विकास और प्रचार के लिए उनके प्रयासों का समर्थन कर रहा है।

• **आयुष्मान भारत में आयुष सेवाओं का एकीकरण**: आयुष व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के हिस्से के रूप में आयुष स्वास्थ्य सेवाओं और वेलनेस उपचार प्रदान करने के लिए 9889 एचडब्ल्यूसी का प्रबंधन कर रहा है और उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

• **अन्य मंत्रालयों के साथ आयुष पहल**: आयुष मंत्रालय ने देश में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण नीतिगत उपाय किए हैं अर्थात भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग का गठन, एएफएमएस अस्पतालों और छावनी बोर्ड अस्पतालों में आयुर्वेद ओपीडी स्थापित करने के लिए रक्षा मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन, जिसके अंतर्गत रक्षा मंत्रालय के अधीन कुल 49 आयुर्वेद केंद्र शुरू किए गए हैं; विभिन्न छावनियों में डीजीडीई के तहत 37 छावनी बोर्ड अस्पताल /औषधालय और सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाओं के तहत 12 सेना अस्पताल, रेलवे अस्पतालों में आयुष की शुरुआत के लिए रेल मंत्रालय के साथ, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के साथ समझौता ज्ञापन, आयुष मंत्रालय, सीएसआईआर के बीच त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन।

• **एम्स में आयुष का एकीकरण**: वर्ष 2014-2015 में सरकार द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा स्थापित किए जा रहे 19 नए एम्स में आयुष सेवाओं को एकीकृत किया जा रहा है।

• **डब्ल्यूएचओ-ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन**: जामनगर, गुजरात में डब्ल्यूएचओ-जीसीटीएम की स्थापना के लिए डब्ल्यूएचओ के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिसका भूमि पूजन समारोह 19.04.2022 को जामनगर, गुजरात में आयोजित किया गया था। इस केंद्र का उद्देश्य डब्ल्यूएचओ की पारंपरिक चिकित्सा रणनीति (2014-23) के कार्यान्वयन के लिए सहायता देना है और साथ ही सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की मुहिम के हिस्से के रूप में पारंपरिक चिकित्सा की भूमिका को सुदृढ़ करने के लिए नीतियां और कार्य योजनाएं विकसित करने में राष्ट्रों को मदद देना है।

• **आयुष स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के लिए बीमा कवरेज**: आईआरडीएआई विनियमों के तहत, 2016 से लगभग 27 बीमा कंपनियां आयुष उपचार की एक या अधिक पद्धतियों को कवर करने वाले 140 से अधिक पॉलिसी उत्पादों की पेशकश कर रही हैं।

• **टेली-परामर्श**: आयुष मंत्रालय ने कोविड-19 द्वारा उठाई गई चुनौतियों के लिए आयुष-आधारित दृष्टिकोण और समाधान प्रदान करने के लिए एक समर्पित सामुदायिक सहायता हेल्पलाइन अर्थात टोल-फ्री नंबर 14443 का संचालन किया है।

(ङ) बी2बी एक्सपो, जो गुवाहाटी में 02 से 05 मार्च, 2023 तक आयोजित की गई थी, के दौरान, उद्योगों, शैक्षणिक संस्थानों और आयुष सेवा प्रदाताओं सहित 56 भारतीय प्रदर्शकों ने अपने उत्पादों, संस्थानों और बुनियादी ढांचे का प्रदर्शन किया और 11 देशों के 60 क्रेताओं ने इसमें गहरी दिलचस्पी दिखाई। सम्मेलन और एक्सपो के दौरान क्रेताओं और विक्रेताओं के बीच 125 से अधिक पारस्परिक बैठकों का आयोजन किया गया। इस बी2बी बैठक में ताजिकिस्तान, आर्मेनिया, उज्बेकिस्तान, मंगोलिया, कजाकिस्तान, बहरीन, म्यांमार, श्रीलंका और भारत के प्रतिनिधि शामिल थे।

पूरे उद्योग से 10 एलओआई प्राप्त हुए। चिकित्सा महत्व यात्रा हेतु आयुर्वेद और योग के लिए आयुर्वेद शिक्षा, पारंपरिक चिकित्सा उत्पादों और अवसंरचना विकसित करने के लिए 13 एससीओ देशों से व्यापार रुचि प्राप्त हुई थी ।

*****